भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1683
बुधवार, 27 जुलाई, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन , 2022

1683. श्री चंद्र शेखर साहू :
श्री गिरीश भालचन्द्र बापट :
श्री राहुल रमेश शेवाले :
डॉ . प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत ने हाल ही में लिस्बन में आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन, 2022 में भाग लिया है;
(ख) यदि हां, तो उक्त सम्मेलन के दौरान उठाए गए मुद्दों का ब्यौरा क्या है;
(ग) सतत विकास के ' लक्ष्य 14 ' में दिए गए लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या प्रतिभागी देशों ने एसडीजी संकेतकों पर कार्यपद्धति और डेटा अंतराल को कम करने और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास महासागर विज्ञान दशक, 2021-2030 की दिशा में काम करने संबंधी अपनी प्रगति आपस में साझा की है;
(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और
(च) भाग लेने वाले अन्य देशों की तुलना में भारत की प्रगति किस हद तक बेहतर है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी, हां।
(ख) केन्या एवं पुर्तगाल सरकारों की सह-मेजबानी में आयोजित संयुक्त राष्ट्र समुद्री सम्मेलन के दौरान समाज की विभिन्न स्वाभाविक समस्याओं, प्रमुख संरचनात्मक परिवर्तनों तथा सतत् विकास लक्ष्य (SDG-14 'जल के नीचे जीवन') में निहित सर्वनिष्ठ साझा समाधानों के बारे में चर्चा की गई। एकजुट होकर कार्रवाई करने के लिए इस सम्मेलन में वैश्विक समुद्री कार्रवाई का एक नया अध्याय आरंभ करने पर लक्षित विज्ञान-आधारित नवप्रवर्तनशील समाधान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। सतत् रूप से प्रबंधित समुद्र सम्बन्धी समाधानों में समुद्री संसाधनों के नवप्रवर्तनशील उपयोग तथा हरित प्रौद्योगिकी का प्रयोग शामिल है। इसमें स्वास्थ्य, पारितंत्र, अर्थव्यवस्था के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों तथा समुद्र के समुद्री प्रशासन - अम्लीकरण, समुद्री कचरा तथा प्रदूषण, अवैध, असूचित एवं अविनियमित मत्स्यपालन, तथा पर्यावास एव जैवविविधता की हानि जैसे विषयों पर चर्चा की जानी भी शामिल है।
(ग) SDG लक्ष्य 14 में सदस्य राज्यों को महासागर, समुद्र, तथा समुद्री संसाधनों को सुरक्षित रखने एवं संवहनीय तरीके से उपयेाग करने का निर्देश दिया गया है। इसमें समुद्री प्रदूषण की रोकथाम करने, अवैध एवं विनाशकारी मत्स्यपालन तरीकों को समाप्त करने, तथा समुद्री एवं तटीय पारितंत्रों को संवहनीय तरीकों से प्रबंधित एवं सुरक्षित करने के साथ ही वैज्ञानिक ज्ञान, अनुसंधान में वृद्धि करने, तथा समद्री स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए समुद्री प्रौद्योगिकी के अंतरण पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इन लक्ष्यों के संबंध में भारत की प्रगति का विवरण सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है।
(घ) और (ङ) जी, हां। सभी देशों ने राष्ट्रीय हस्तक्षेप कथनों के माध्यम से विभिन्न लक्ष्यों के अन्तर्गत SDG14 के तहत विभिन्न लक्ष्यों से सम्बन्धित प्रगति तथा डेटा गैप की जानकारी प्रदान की है। उन्होंने सदस्य राज्यों के बीच में समुद्री पारितंत्र के परिरक्षण को बेहतर बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ क्रियाविधियों, विज्ञान आधारित समाधानों के विनिमय में सहयोग की आवश्यकता के बारे में भी जानकारी दी है।
(च) भारत ने लक्ष्य के अधिकांश संकेतकों पर डेटा एवं जानकारी जुटाने के मामले में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा मत्स्यपालन विभाग के माध्यम SDG14 पर महत्वपूर्ण प्रगति की है। इसका विवरण SDG इंडिया इंडेक्स एवं डैशबोर्ड के अन्तर्गत नियमित रूप से प्रकाशित किया जाता है।

*****